एचएएल, जीई मिलकर जेट इंजन बनाएंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। डीआरडीओ प्रमुख डॉ. समीर वी. कामत ने शनिवार को कहा कि भारत के रक्षा क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए, एलसीए मार्क-2 के इंजन और स्वदेशी उन्नत मध्यम लड़ाकू विमान (एएमसीए) के पहले दो स्क्वाड्रन का घरेलू स्तर पर उत्पादन किया जाएगा।

डीआरडीओ प्रमुख ने कहा कि दोनों स्क्वाड्रन का उत्पादन अमेरिकी जीई और हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड द्वारा देश में ही एकसाथ किया जाएगा। इसके लिए अमेरिका से सभी मंजूरी मिल चुकी है। अमेरिका की जीई और भारत की एचएएल देश में संयुक्त रूप से इन इंजनों का उत्पादन करेंगे।

30 अगस्त को, सुरक्षा पर कैबिनेट समिति ने एलसीए मार्क-2 लड़ाकू विमान के विकास को मंजूरी दे दी, जो भारतीय वायु सेना में मिराज 2000, जगुआर और मिग -29 लड़ाकू विमानों की जगह लेंगे। एयरोनॉटिकल डेवलपमेंट एजेंसी के प्रमुख ने कहा कि एलसीए मार्क-2 लड़ाकू विमान विकास परियोजना को सरकार ने मंजूरी दे दी है।